# जेजेएम योजना में कांग्रेस ने प्रदेशवासियों के साथ बड़ा धोखा किया- भजनलाल

## युवा शक्ति दिवस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार करने वालों में किसी को नहीं बख्शा जाएगा

जयपुर, 17 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम दिन-रात, 24 घण्टे जनता की सेवा के लिए हैं तथा जनता की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी जेजेएम योजना में कांग्रेस के लोगों ने प्रदेशवासियों से बड़ा धोखा किया, इनके मंत्री ने कुठाराघात किया। इसमें लिप्त भ्रष्टाचार के कारण इनके मंत्री भी जेल जाकर आ चुके हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन्होंने भी भ्रष्टाचार किया है, उनमें से किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस ने 5 साल में 4148 घोषणाएं कीं, लेकिन सिर्फ 1900 को पूरा किया। वहीं, हमने 2 साल में 2719 घोषणाएं कीं और 2465 को पूरा किया।

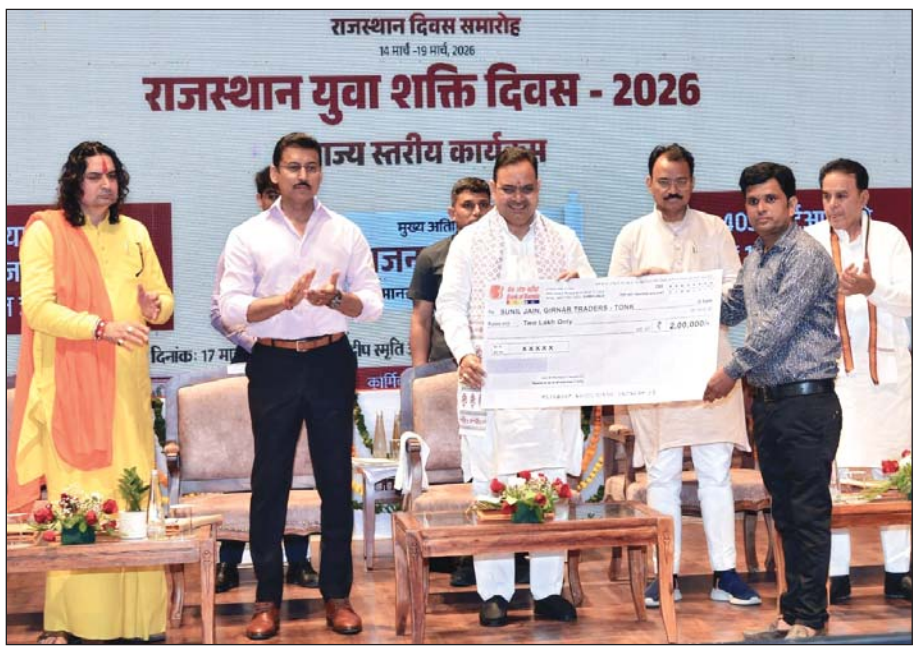


*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में "राजस्थान युवा शक्ति दिवस" कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के प्रथम लाभार्थी को चेक सौंपे।*

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह बात मंगलवार को मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित "राजस्थान युवा शक्ति दिवस" को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पांच साल में 4148 घोषणा कीं, लेकिन सिर्फ 1900 को पूरा किया। वहीं, हमने दो साल में 2719 घोषणा कीं और 2465 को पूरा किया। विधानसभा में भी जब दो साल बनाम पांच साल के प्रतिवेदन पर चर्चा करनी थी तो कांग्रेस वहां से भी बिना चर्चा किए भाग गई। कांग्रेस के लोगों का जनता से कोई सरोकार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग मेरा विरोध करते हुए कहते हैं कि इतना दिल्ली क्यों जाते हैं। मैं जब भी दिल्ली जाता हूं, प्रदेशवासियों के लिए कुछ न कुछ लेकर ही आता हूं। लेकिन आप सरकार बचाने के लिए दिल्ली जाते थे और दो-दो महीने होटलों में रहते थे। उन्होंने कहा कि वे विपक्ष के कहने पर नहीं चलेंगे। राजस्थान की जनता के लिए जो भी करना पड़ेगा, वो हम करेंगे। उनके कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है। शर्मा ने कहा कि हमें तो काम करने की शक्ति भी ईश्वर देता है और हमारे मंत्रिमण्डल के साथी तथा सभी जनप्रतिनिधि राजस्थान के लोगों की सेवा में दिन-रात जुटे हुए हैं।

## चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल की हर सीट पर एक पर्यवेक्षक तैनात करेगा

कोलकाता, 17 मार्च। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर व्यापक प्रशासनिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। ?

आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत, पांच राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में कुल 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की है।

इन राज्यों में पश्चिम बंगाल के अलावा, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त,

■ शेष अन्य राज्यों जहां चुनाव होने जा रहे हैं वहां भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी।

छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है।

पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे खास है, जहां सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए अलग-अलग सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। यह संख्या राज्य की कुल सीटों के बराबर है, जबकि अन्य राज्यों में सामान्य पर्यवेक्षकों की संख्या वहां की कुल सीटों से कम रखी गई है।

सुरक्षा के लिहाज से भी पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 84 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे। इसके मुकाबले, तमिलनाडु में 40, असम में 35, केरल में 17 और पुडुचेरी में चार पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

# ट्रम्प के करीबी अधिकारी ने ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दिया

## नैशनल काउंटर टैररिज़्म सैंटर के प्रमुख जोसैफ केंट ने कहा अन्तरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दिया है

वॉशिंगटन, 17 मार्च। ईरान के खिलाफ शुरू हुआ युद्ध अब ट्रंप को ही भारी पड़ने लगा है। पहले अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर ट्रंप इसे लेकर अकेले पड़ गए, अब उनके अपने ही घर में इसका विरोध शुरू हो गया है। अमेरिका के नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर के प्रमुख जोसेफ केंट ने ईरान युद्ध के विरोध में इस्तीफा दे दिया है।

जोसेफ केंट ने कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर ईरान युद्ध का समर्थन नहीं करने का निर्णय लिया है।

केंट ने आरोप लगाया कि ईरान से अमेरिका को कोई खतरा नहीं था और ट्रंप ने केवल इज़रायल के दबाव में युद्ध शुरू कर दिया।

जोसेफ केंट ने ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति को पता था कि मिडिल ईस्ट में हुए युद्धों ने केवल अमेरिकियों की जान ली है और देश की संपत्ति खत्म हुई है। लेकिन ट्रंप को गुमराह करने के लिए एक इको चैंबर का इस्तेमाल किया गया।

■ कभी ट्रम्प के बेहद करीबी रहे केंट ने ट्रम्प पर गंभीर आरोप लगाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति को पता था ईरान से कोई खतरा नहीं है, उन्होंने सिर्फ इज़रायल के दबाव में युद्ध शुरु किया।

केंट ने लिखा, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप इस बात पर विचार करेंगे कि हम ईरान में क्या कर रहे हैं और हम यह किसके लिए कर रहे हैं।

साहसी कदम उठाने का समय अब है। आप अपना रास्ता बदल सकते हैं और हमारे देश के लिए एक नया मार्ग तय कर सकते हैं या आप हमें और अधिक पतन और अराजकता की ओर फिसलने दे सकते हैं। फैसले की बागडोर आपके हाथों में है।

बता दें कि केंट के दक्षिणपंथी चरमपंथियों से संबंध रहे हैं और वे एक राजनीतिक उम्मीदवार भी थे। नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर आतंकवादी खतरों का विश्लेषण करने और उनका पता लगाने वाली एजेंसी है।

# अफगानिस्तान में पाकिस्तान ने अस्पताल पर बमबारी की

## इस हमले में 400 से ज्यादा लोग मारे गए, 250 घायल हो गए

काबुल, 17 मार्च। पाकिस्तान के हवाई हमलों में अफगानिस्तान में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, वहीं 250 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं।

स्थानीय मीडिया टोले न्यूज के मुताबिक, काबुल के एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हवाई हमले में 400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और 250 से ज्यादा घायल हैं।

यह कथित हमला अफगान अधिकारियों के उस बयान के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि दोनों पक्षों के बीच उनकी साझा सीमा पर गोलीबारी हुई, जिसमें अफगानिस्तान में चार लोग मारे गए। यह लड़ाई, इन पड़ोसी देशों के बीच सालों से सबसे घातक लड़ाई है, जो अब तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने हाल ही में काबुल के 9वें पुलिस जिले में एक नशा मुक्ति केन्द्र पर हमला किया था, जिसमें भारी जान-माल का नुकसान हुआ था।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लघंन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया है, जिससे वहां इलाज करा रहे लोगों की मौत हुई है और वे घायल हुए हैं। हम इस अपराध की कड़ी निंदा करते हैं।

■ भारत सरकार ने इस हमले के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की तथा इसे कायराना हरकत और जनसंहार करार दिया।

वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि काबुल में किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया।

भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अस्पताल पर हुए हमले को लेकर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की है।

भारत ने इस हमले को कायरतापूर्ण और जनसंहार करार दिया है।

# डाक विभाग ने गारन्टी वाली स्पीड पोस्ट सेवा शुरु की

नई दिल्ली, 17 मार्च। केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के 6 प्रमुख शहरों में 24 और 48 घंटे में गारंटीकृत वितरण देने वाली डाक विभाग की नई सेवाओं '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' का शुभारंभ किया। इन सेवाओं के तहत, अब दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में रिकॉर्ड समय में पार्सल पहुंचाया जाएगा। देरी होने की स्थिति में उपभोक्ता को पूरा शुल्क वापस किया जाएगा।

डाक विभाग के यहां मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी और विभाग की सचिव वंदिता कौल भी मौजूद रहीं।

■ नई सेवाओं में 24 और 48 घंटे में पार्सल पहुंचाया जायेगा।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि देश के 6.5 लाख गांवों, हर तहसील और तालुका में यदि परिवार के सदस्य से भी अधिक किसी संस्था पर भरोसा किया जाता है, तो वह ग्रामीण डाक सेवा है। सिंधिया ने कहा कि यह सेवा डाक विभाग के लिए एक नए युग की शुरुआत है।

## प्र.मंत्री मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति से फोन पर बात की

नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नहयान से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हमलों की एक बार फिर निंदा की। इन हमलों में आम लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढ ांचे को नुकसान पहुंचा। दोनों नेताओं ने हॉर्मुज़ स्ट्रेट में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने के लिए साथ काम जारी रखने की बात कही।

## बंगाल के बाद असम ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

चुनाव आयोग ने पूर्वोत्तर राज्य के कोकराझार, माजुली, बक्सा, चिरांग और उदलगुड़ी जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों को हटाने का भी आदेश दिया है। एक अन्य घटनाक्रम में, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मनजीत सिंह को असम के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, जो चुनाव प्रक्रिया के दौरान तैयारियों और प्रशासनिक कामकाज की निगरानी करेंगे। आयोग ने तमिलनाडु में भी इसी तरह की कार्रवाई की है।

राज्य में चुनाव से पहले, चार जिला पुलिस प्रमुखों को हटा दिया गया है। आदेश के अनुसार, डीएन हरिकिरण प्रसाद, डीवी किरण श्रुति, सुजीत कुमार और एन श्रीनाथ को क्रमशः करूर, इरोड, नागपट्टीनम और विरुधुनगर में एसपी के रूप में नियुक्त किया गया है।

तमिलनाडु के मुख्य सचिव से भी बुधवार तक आयोग को अनुपालन रिपोर्ट देने को कहा गया है।

चुनाव आयोग की हालिया कार्यवाहियों से संकेत मिलता है कि चुनाव वाले राज्यों में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया जा रहा है, ताकि चुनावी मशीनरी में निष्पक्षता बनाए रखी जा सके।

इससे पहले, आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) सहित, कई शीर्ष अधिकारियों को हटा दिया था।

## अब गुजरात में लागू ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

दौरा, जनता से राय-मशविरा, गहन चर्चाएं और सार्वजनिक परामर्श शामिल थे। रिपोर्ट में महिलाओं के समान अधिकारों और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है, साथ ही गुजरात की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने ट्वीट कर कहा कि यह रिपोर्ट गहन अध्ययन और जनसंपर्क पर आधारित है। उन्होंने यूसीसी लागू करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। उत्तराखंड के बाद गुजरात दूसरा राज्य है जहां यूसीसी की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

# असम विधानसभा चुनाव में एनडीए में सीटों का बंटवारा हुआ

## भाजपा कुल 89 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी

नई दिल्ली, 17 मार्च। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने आगामी असम विधानसभा चुनाव-2026 को लेकर कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर सीटों के बंटवारे का फार्मूला लगभग तय हो गया है। इसके तहत, असम गण परिषद (अगप) 26 सीटों पर, बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शेष 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

■ मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा उम्मीदवारों की पहली सूची जल्दी ही जारी कर दी जाएगी।

नई दिल्ली में हुई अहम बैठक के बाद मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि चर्चा मुख्य रूप से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच गठबंधन की रणनीति और सीटों के तालमेल पर केन्द्रित रही। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से भी साझा की गई है। डॉ. सरमा ने बताया कि बैठक में भाजपा, बीपीएफ और अगप के बीच चुनावी तालमेल को अंतिम रूप देने के साथ-साथ उम्मीदवारों के चयन पर भी विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा का केन्द्रीय संसदीय बोर्ड बुधवार शाम 7 बजे बैठक कर उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी, संभवतः देर रात या अगली सुबह तक। उन्होंने संकेत दिया कि इस बार सूची में कई नए चेहरों को मौका मिलेगा, जिनमें विशेष रूप से महिलाएं और युवा नेता शामिल होंगे। यह पार्टी के भीतर व्यापक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। परिसीमन का असर भी इस चुनाव में देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में हुए परिसीमन के कारण कई निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं बदली हैं, जिसके चलते कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं।

## कांग्रेस ने केरल के 55 प्रत्याशियों की घोषणा की

नई दिल्ली, 17 मार्च। कांग्रेस ने केरल में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इसमें 20 मौजूदा विधायकों के भी नाम हैं। प्रमुख नामों में सीडब्ल्यूसी सदस्य रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ शामिल हैं। सूची में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर (16) से टिकट दिया गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन को परवूर (78) से फिर उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के बेटे चांडी ओम्मेन को पुतुप्पल्ली (98) से टिकट दिया गया है, वे वर्तमान में यहां से विधायक हैं।

# 'नाटो की मदद नहीं चाहिए अमेरिका अकेला काफी है'

वॉशिंगटन, 17 मार्च। पश्चिम एशिया में ईरान को लेकर बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने नाटो को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को, ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में नाटो देशों की मदद की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य सफलता हासिल की है और वह किसी भी सहयोग के बिना भी अपने अभियान को आगे बढ़ा सकता है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि नाटो के कई सहयोगी देशों ने अमेरिका को साफ बता दिया है कि वे ईरान के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान में शामिल नहीं होना चाहते।

■ अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा अमेरिका नाटो की सुरक्षा पर भारी खर्च करता रहा है। पर जरुरत पड़ने पर ये देश अमेरिका का साथ नहीं देते हैं।

ट्रंप ने कहा कि उन्हें इस फैसले पर कोई हैरानी नहीं है। उनके अनुसार, नाटो लंबे समय से एकतरफा व्यवस्था बन गया है, जिसमें अमेरिका दूसरे देशों की सुरक्षा पर भारी खर्च करता है, लेकिन जरूरत पड़ने पर वही देश अमेरिका का साथ नहीं देते।

## राष्ट्रपति मुर्मू अयोध्या और वृंदावन जाएंगी

मथुरा, 17 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 19 से 21 मार्च तक तीन दिन उत्तर प्रदेश में रहेंगी। इस दौरान वे अयोध्या, मथुरा और वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाएंगी। वे अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन करेंगी और वृंदावन में संत प्रेमानंदजी महाराज से मिलेंगी। यह उनका वृंदावन का दूसरा दौरा है और वे वृंदावन आने वाली तीसरी राष्ट्रपति होंगी। तय कार्यक्रम के अनुसार, 19 मार्च को राष्ट्रपति सबसे पहले अयोध्या पहुंचेंगी। वहां वे श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन और पूजन करेंगी। वे मंदिर में श्रीराम यंत्र भी स्थापित करेंगी। यह उनके दौरे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। अयोध्या से सेना के हेलीकॉप्टर से वे वृंदावन आएंगी।

## अब अमेरिका इज़रायल ग्रुप ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

एक प्रमुख हस्ती थे, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। लारिजानी एक अनुभवी राजनयिक थे और पश्चिमी देशों के साथ परमाणु समझौते पर बातचीत में शामिल रहे थे। वे लगभग 11 वर्षों तक ईरानी संसद के स्पीकर भी रहे और देश के शीर्ष अभिजात वर्ग के तौर तरीकों से भली-भांति परिचित थे।

लारिजानी, मारे जा चुके सर्वोच्च नेता खामेनेई के काफी करीबी थे और कूटनीतिक मुद्दों पर ईरान की रणनीति तय करने में अहम भूमिका निभाते थे। समय के साथ वे एक व्यावहारिक और संतुलित नेता के रूप में उभरे। हालांकि सर्वोच्च नेता की मृत्यु के बाद मौजूदा टकराव में उन्होंने कड़ा रुख अपनाया था। राजनीतिक परिदृश्य से लारिजानी के हटने से अब ऐसे व्यावहारिक नेता ढूंढना और भी मुश्किल हो जाएगा, जिसके साथ अमेरिका-इज़रायल के वार्ताकार बातचीत कर सकें। अब ऐसे लोगों को ढूंढना लगातार मुश्किल होता जा रहा है, जिनके साथ बाहरी दुनिया मौजूदा युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत कर सके।

लारिजानी पांच भाइयों में से एक थे, ये सभी देश की सत्ता व्यवस्था में महत्वपूर्ण पदों आसीन थे और देश की शासन व्यवस्था में इनकी महत्वपूर्ण भूमिकाएं थीं। लारिजानी के भाईयों में से एक ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख थे। उनके अन्य भाई भी अहम पदों पर थे।इस बीच, अली खामेनेई के तत्काल, मुजतबा, उत्तराधिकारी की मृत्यु या अक्षमता को लेकर विरोधाभासी खबरें सामने आ रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि वे इलाज के लिए मॉस्को गए हैं, हालांकि, रूस में ईरान के राजदूत ने इन खबरों का खंडन किया है। स्थिति को शांत करने के लिए बैक-चैनल कूटनीति की आवश्यकता और बढ़ गई है, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका खुद को बिल्कुल अलग-थलग पा रहा है। यूरोपीय संघ के नेताओं ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। यूरोपीय संघ की विदेश नीति मामलों की प्रमुख काजा कालास ने स्पष्ट कहा कि अमेरिका ने न तो नाटो और न ही यूरोपीय संघ से सलाह-मशविरा किया था। अब, जब अमेरिका को हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से गुजरने में कठिनाई हो रही है, तो वह यूरोप से मदद मांग रहा है। ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं ने भी अमेरिकी अनुरोध को ठुकरा दिया है, यह कहते हुए कि इस संघर्ष में शामिल होना उनके राष्ट्रीय हित में नहीं है।

ईरान के एक अनुभवी और वरिष्ठ नेता के मारे जाने से ईरान के साथ अनौपचारिक बातचीत शुरु करने की राह में एक और बड़ी बाधा आएगी।

दूसरी ओर, बेंजामिन नेतन्याहू के मारे जाने की भी कुछ खबरें सामने आई थीं, लेकिन ये फर्जी साबित हुई हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को साइबर विशेषज्ञों ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से बनाया हुआ बताया है और उसमें कई स्पष्ट गलतियां पाई गई हैं।

इज़रायल ने यह भी दावा किया है कि ईरान की बसीज फोर्स के प्रमुख की भी मौत हो गई है, यह बल आंतरिक पुलिसिंग और आंतरिक असंतोष को दबाने के काम में लगा हुआ है। बसीज बल का प्रमुख, युद्ध शुरु होने से ठीक पहले प्रदर्शनकारियों के क्रूर दमन और उनकी हत्याओं में शामिल था।

## टीएमसी ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

और शुभेन्दु अधिकारी से हार गई थीं। इस बार वहां से पवित्र कर को उम्मीदवार बनाया गया है, जो आज ही भाजपा छोड़ कर टीएमसी में शामिल हुए हैं। इस सीट पर कड़ा मुकाबला होने की संभावना जताई जा रही है। पवित्र वहां के मौजूदा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के बेहद खास माने जाते थे।

## भारी अंतर्कलह ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

विधायकों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जबकि पांच वोट, चार कांग्रेस के और एक भाजपा का, अमान्य घोषित किए गए। इससे प्रभावी मुकाबला सीमित हो गया और जीत के लिए 28 वोटों की जरूरत तय हुई। भाजपा उम्मीदवार संजय भाटिया ने 39 प्रथम वरीयता वोट हासिल कर पहली सीट आसानी से जीत ली, जिससे 11 वोट सरप्लस रह गए। असल मुकाबला दूसरी सीट पर हुआ, जहां कांग्रेस के करमवीर सिंह बोध ने 28 वोट हासिल कर जीत दर्ज की, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल 16 वोटों के साथ पीछे रह गए। आंकड़े बताते हैं कि मुकाबला कितना करीबी था।

भाटिया के 11 अतिरिक्त वोट, जो दूसरी वरीयता के रूप में ट्रांसफर कर नांदल को 27 वोट तक पहुंचा सकते थे, जो जीत से केवल एक वोट कम होता। अगर कांग्रेस का एक और विधायक क्रॉस-वोट करता या भाजपा का अमान्य वोट वैध रहता, तो निर्दलीय उम्मीदवार चौंकाने वाली जीत हासिल कर सकता था। कांग्रेस की गुटबाजी का पूरा फायदा निर्दलीय उम्मीदवार को मिला। कांग्रेस के 37 विधायकों में से पांच ने कथित रूप से क्रॉस-वोटिंग की और चार वोट अमान्य हो गए - यानी कुल नौ वोट पार्टी के खाते से निकल गए। यह पहला अवसर नहीं है, जब हरियाणा में गुटबाजी ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया हो।

पिछले राज्यसभा चुनाव में किरण चौधरी और कुलदीप बिश्नोई जैसे नेताओं की क्रॉस-वोटिंग के कारण कांग्रेस के अजय माकन की हार हुई थी और निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा की जीत हुई थी।बाद में वे दोनों नेता भाजपा में शामिल हो गए थे।

वरिष्ठ पार्टी नेताओं ने अब चेतावनी दी है कि अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई न करने से राज्य में कांग्रेस और कमज़ोर हो सकती है।

गुटीय प्रतिद्वंद्विता के चुनावी रणनीति पर हावी रहने के कारण पार्टी के सामने फिर वही गलतियां दोहराने का खतरा है, खासकर ऐसे समय में, जब हरियाणा में उसके राजनीतिक अस्तित्व के लिए एकता बेहद जरूरी है।

## बच्चा गोद ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

फैसले में पितृत्व अवकाश की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए केन्द्र सरकार से पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा अवकाश के रूप में मान्यता देने वाला प्रावधान लाने को कहा है।

# हाई कोर्ट को फिर बम की धमकी का ई-मेल मिला

## पुलिस, बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वॉड की गहन जाँच में कुछ नहीं मिला।

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। अब तक हाईकोर्ट को एक दर्जन बार इस तरह की धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से पुलिस के उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

इस पर दौरान जांच एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर हाईकोर्ट की मुख्य बिल्डिंग की गहनता से जांच की। मुख्य परिसर में मौजूद कोर्ट कर्मचारियों सहित अन्य लोगों को बाहर निकाला गया तथा बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। हाईकोर्ट के चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि धमकी भरा ई-मेल हाईकोर्ट प्रशासन की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजा गया है। फिलहाल जांच पूरी कर ली गई है और जांच में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

■ हाई कोर्ट को एक दर्जन बार धमकी मिली है।

आए दिन धमकी भरा मेल मिलने के बाद भी अब तक इसे भेजने वालों की जानकारी नहीं मिल पाई है, जिसके चलते वकीलों में खासी नाराजगी है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने बताया कि कभी यह धमकी वास्तविक घटना में बदल गई तो जान-माल का नुकसान हो सकता है। हाल ही में साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित कार्यशाला में भी हाईकोर्ट को दी जा रही बम ब्लास्ट की धमकियों का मुद्दा उठ चुका है। सीजेआई सूर्यकांत की उपस्थिति में हाईकोर्ट के न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने कहा था कि जिस तरह स्कूल में रोजाना घंटी बजती है, उस तक हाईकोर्ट में बम ब्लास्ट की धमकियां दी जाने लगी है। ऐसे में न्यायिक काम प्रभावित होता है, लेकिन यह ई-मेल कौन और कहां से कर रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत वर्ष 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी दी गई। वहीं, 8 दिसंबर से लगातार चार दिनों तक बम ब्लास्ट को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को ईमेल भेजे गए। इसके बाद गत 6 फरवरी, 17 फरवरी, 19 फरवरी, 20 फरवरी और 25 फरवरी को ब्लास्ट की धमकी दी गई थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908